पंप स्टोरेज परियोजनाओं पर राजस्थान की नई नीति

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, **राजस्थान सरकार** नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत **पंप स्टोरेज परियोजनाओं पर नई नीति** लाने जा रही है।

मुख्य बिंदु

- मुख्यमंत्री के अनुसार, नवीकरणीय स्रोतों को मज़बूत करने के लिये उठाए जा रहे कदमों से **राज्य जल्द ही ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जाएगा।**
- सौर और पवन ऊर्जा पर निर्भर बिजली ग्रिडों को आपूर्ति के लिये 7,100 मेगावाट बिजली की क्षमता वाली इन परियोजनाओं की स्थापना के लिये राज्य में **आठ संभावित स्थानों** की पहचान की गई है।
  - पंप स्टोरेज परियोजनाओं पर कार्य राज्य की पवन और हाइब्रिड ऊर्जा नीति 2019 तथा नवीकरणीय ऊर्जा नीति 2023 में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार किया गया है।
  - राज्य को **1,800 मेगावाट क्षमता की अपनी पहली स्वतंत्र पंप भंडारण परियोजना** शुरू करने की मंज़ूरी मिल गई है, जो **कुनो नदी बेसिन** के भीतर **बारां ज़िले के शाहबाद क्षेत्र** में स्थापित की जाएगी।

कुनो नदी

- यह चंबल नदी की मुख्य सहायक नदियों में से एक है।
- यह **दक्षिण से उत्तर की ओर** कुनो राष्ट्रीय उद्यान से होकर बहती है तथा अन्य छोटी नदियों और सहायक नदियों को मध्य प्रदेश-राजस्थान सीमा पर मुरैना में चंबल नदी में बहा देती है।
- यह कुनो राष्ट्रीय उद्यान के **विविध वनस्पतियों और जीवों** के लिये पानी का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत है।
- यह 180 किलोमीटर लंबी है और **मध्य प्रदेश में** विंध्य पर्वत **शृंखला से निकलती है**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rajasthan-s-new-policy-on-pumped-storage-projects